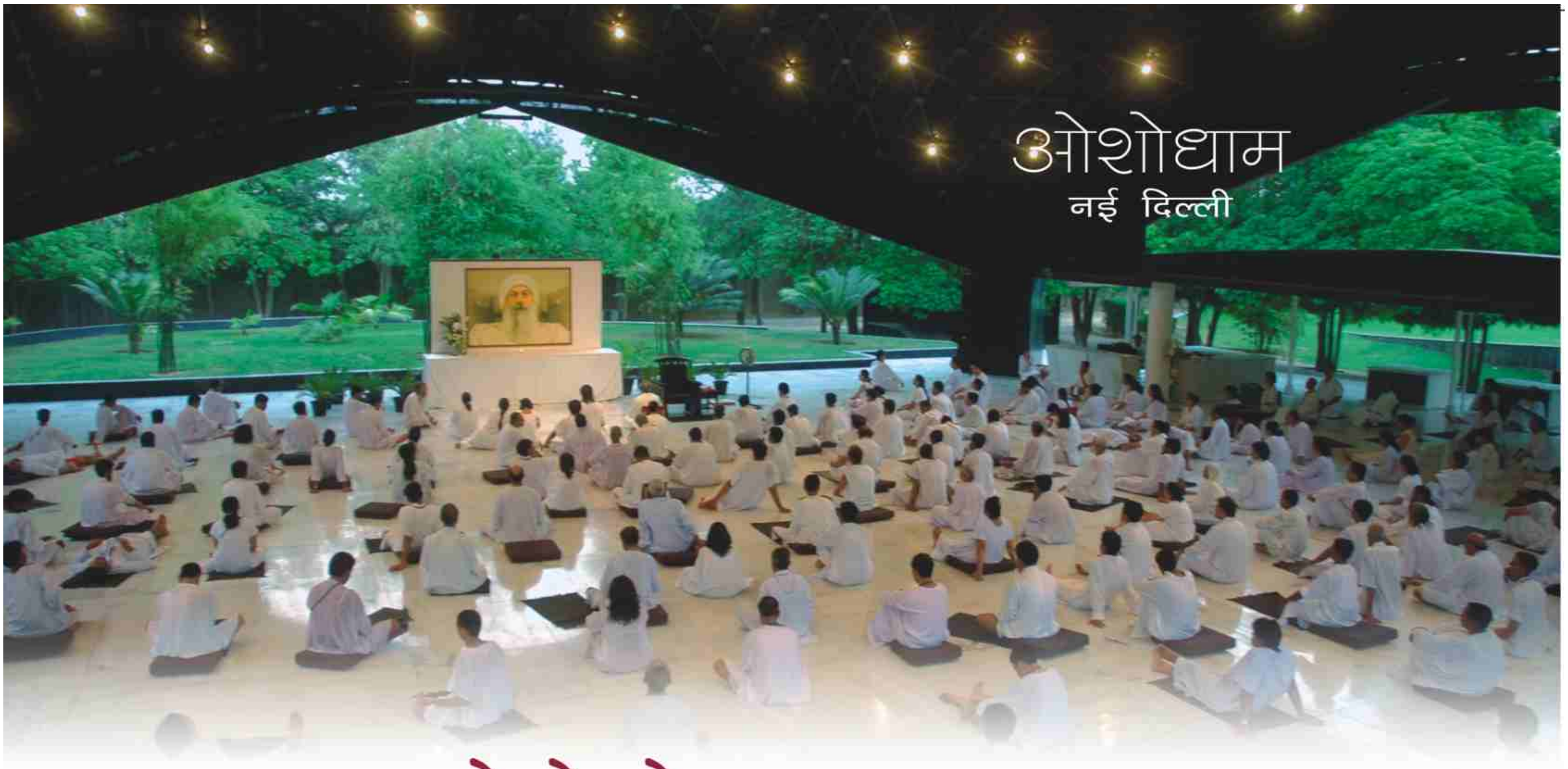

ओशो के ध्यान उपवन

बच्चों का ध्यान-शिविर

ओशो ध्यान शिविर जो कि 27 जून से 1 जुलाई तक आयोजित किया गया था उसमें मेरा अनुभव बहुत ही सुंदर रहा। यहां पर न सिर्फ बहुत सी अच्छी बातें सीखने को मिलीं बल्कि मेरे बहुत सारे मित्र भी बने। मैंने ध्यान की कई विधियां सीखीं जिनमें से मुझे ''नो डाइमैनसन ध्यान'' सबसे ज्यादा भाया। हमें हर रोज खेल खिलाने के साथ-साथ चित्रकला भी करवाई जाती थी जो कि सब बच्चों को बहुत ही अच्छी लगती थी।

हम ओशो के प्रवचनों को भी सुनते थे और हमें बहुत प्रेरणा मिलती थी। ओशोधाम में भोजन का इंतजाम बहुत ही बढ़िया है। यहां पर हर तरफ हरियाली है जिसने सब का मन मोह लिया। हम सुबह 6.30 बजे व्यायाम के साथ दिन शुरू करते थे और रात 10.30 बजे सोने के लिए जाते थे।

यह शिविर मा दक्षिणा, मा निधि, स्वामी अमित और स्वामी निशांत द्वारा लिया गया था जो कि हमारे संचालक कम और मित्र ज्यादा थे। संन्यास उत्सव में ऐसा आनंद का माहौल बना जिसे शब्दों में बताना असंभव है। मुझे यह शिविर इतना अच्छा लगा कि मैं अपनी हर छुट्टियों में यहां आना पसन्द करूंगी।

— कृति
अमृतसर

अभिभावकों के लिए ध्यान-शिविर

बच्चों के लिए ध्यान शिविर के साथ-साथ इन्हीं दिनों अभिभावकों के लिए भी ओशो

ध्यान-शिविर का आयोजन हुआ, जिसका संचालन स्वामी चैतन्य कीर्ति ने किया। इस पांच दिवसीय शिविर में दो दिन के लिए मा धर्म ज्योति ने भी उपस्थित रहकर ध्यान प्रयोगों का संचालन किया। सक्रिय ध्यान, सांध्य सत्संग नियमित रूप से रोज होते थे। शेयरिंग भी प्रतिदिन होती थी, जिसमें स्वामी जी और मा निधि, संन्यासिन अध्यापिका हमें हमारे बच्चों के साथ संबंधों में कैसे मिठास लाए, इसका सुझाव देते थे।

मा धर्म ज्योति ने ओशो मिस्टिक रोज़, बार्न अगेन का हमें एक-एक घंटे का स्वाद दिया। शरीर के प्रति धन्यवाद का प्रयोग तथा ओशो की वाणी के साथ अनापान सतीयोग में उतरना बहुत प्यारे व सुंदर अनुभव दे गए। चुनिंदा कीर्तन गीतों के साथ नृत्य में तन-मन-प्राण खिल उठे।

—प्रेम गीतामो

तपोवन, नेपाल

में 2 से 4 जून एक तीन दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन हुआ। स्वामी रवि भारती के संचालन में तीन मित्रों ने संन्यास लिया। इस माह सप्ताहान्त ध्यान शिविर में 7 मित्र दिक्षित हुए।

धर्मशाला, हिमाचल

गत 6 से 10 जून को ओशो निसर्ग, धर्मशाला में मेडीटेट-सेलिब्रेट ध्यान-शिविर तथा 17 से 23 जून को नो-माइंड ध्यान-ग्रुप का आयोजन हुआ। इसका संचालन स्वामी चैतन्य कीर्ति ने किया तथा मा योग नीलम ने सहयोग दिया। इन शिविरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र के अतिरिक्त कुछ साधक अमेरिका, ब्रिटेन, इज़रायल, आस्ट्रिया तथा अन्य देशों के भी थे।

इसके बाद 29 जून से 1 जुलाई को स्वयं मा योग नीलम ने ओशो ध्यान-उत्सव का संचालन किया।

जबलपुर, म.प्र.

ओशो अमृतधाम, देवताल जबलपुर में दिनांक 9 से 29 जून (21 दिवसीय) ओशो स्वदिशा बोध आयोजन हुआ।

जिसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों से आये मित्रों ने भाग लिया। इस पूरे 21 दिवसीय आयोजन में साधक मित्रों ने ध्यान समाधि की अतल गहराइयों को छूते हुए स्वयं को धन्य किया और एक नयी सुवास लेकर यहां से विदा हुए।

—स्वामी चैतन्य शिखर

भीमताल, उत्तरांचल

ओशो ओम् प्रकाश कम्यून—भीमताल, नैनीताल में 10 से 17 को ओशो नो-माइन्ड सत्र व 21 से 24 जून में ओशो ध्यान साधना शिविर आयोजित किये गये। हिमालय में कुमाऊं की पहाड़ियां अपनी खूबसूरती से भरी झीलों, झरनों, प्राकृतिक सौंदर्य, पक्षियों के कलरव व शीतल-शान्त वातावरण ध्यान साधना एवं आध्यात्मिक यात्रा के लिए आमंत्रण देती रही हैं। दूर-दूर से आये 100 संन्यासियों व ओशो प्रेमियों-मित्रों ने ध्यान की गहराई में डुबकी ली। नो-माइंड सत्र के साथ-साथ शिविर में सक्रिय ध्यान, प्राण साधना, निष्क्रिय ध्यान, मेडीटेशन

आफ एम्पटीनेस प्रयोगों के साथ-साथ संध्या सत्संग—ओशो प्रवचन जैसे होश, द्रष्टा, साक्षी से भरे ओशो द्वारा प्रणीत ध्यान के अनूठे प्रयोग कराये गये। शिविर का संचालन स्वामी शून्यम् प्रकाश ने किया। 24 जून को संन्यास उत्सव के साथ शिविर सम्पन्न हुआ।

—स्वामी बोधि लक्ष्मी कान्त

कानपुर, उ0 प्र0

''ओशो लाईब्रेरी'' के तत्वाधान में किदवई नगर स्थित ओशो मेडीटेशन सेन्टर में 10 जून को एक दिवसीय ''ओशो महिला ध्यान शिविर'' तथा ओशो की दृष्टि में ''नारी—नई सभ्यता की केन्द्र बिंदु'' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया

गया, जिसकी मुख्य अतिथि थीं कानपुर की महिला मंच की अध्यक्ष श्रीमती नीलम चतुर्वेदी। रिटायर्ड प्रोफेसर श्रीमती किरन मिश्रा सहित अन्य महिलाओं ने भी नारी को अपने बल पर अपनी आत्मा को उजागर करने के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

कानपुर नगर की लगभग 40 महिलाओं ने पूरे दिन शिविर में भाग लिया, जिसका संचालन ओशो लाइब्रेरी की संचालिका मा अमृता भारती ने विभिन्न ध्यान के प्रयोग करवाये।

–स्वामी आनंद अतिश

कानपुर, उ0 प्र0

''ओशो परफेक्ट सर्किल'' संस्था के अन्तर्गत कानपुर नगर में किदवई नगर मुहल्ले के अतिरिक्त दो अन्य मुहल्ले ''काकादेव'' व ''गुजैनी रत्नलाल नगर'' में ओशो ध्यान केन्द्र आयोजित किये जा रहे हैं जहां प्रतिदिन व प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में एक दिवसीय तथा त्रिदिवसीय ध्यान शिविर क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित किये जा रहे हैं।

शिविर संचालन स्वामी ज्ञान जसूर, स्वामी आनन्द मनस्वी, स्वामी आनन्द अतिशय व मा अमृता भारती के द्वारा किया जा रहा है।

–स्वामी आनन्द अतिशय

पोखरा, नेपाल

नेपाल का प्रमुख पर्यटन नगर पोखरा के फुलवारी रिज़ार्ट, में 14 से 16 जून एक तीन दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में नेपाल, भारत, इंग्लैंड, रूस के 128 मित्रों ने भाग लिया। शिविर की अन्तिम संध्या में नृत्य व उत्सव के आनन्दमय माहौल में 16 मित्र नव संन्यास में दीक्षित हुए। शिविर का संचालन स्वामी आनन्द अरुण तथा व्यवस्थापन स्वामी योगानन्द ने किया।

ओशो–बुद्ध पूर्णिमा ध्यानोत्सव

''ओशो-वर्ल्ड'' डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बनारस की ओर से सारनाथ के पड़ोस में हुकुलगंज रोड पर स्थित स्नेहदीप भवन में दिनांक 2 मई को एक दिवसीय 'बुद्ध पूर्णिमा ध्यानोत्सव' का आयोजन हुआ। इसका संचालन स्वामी गौरी शंकर भारती ने किया।

इस अवसर पर ओशो प्रेमियों और ध्यानी साधकों को ओशो की विभिन्न ध्यान विधियों के रसास्वादन किया। साथ ही ओशो के भगवान बुद्ध पर दिए गए ध्वनि-मुद्रित अमृत प्रवचन के श्रवण का सुयोग भी उपलब्ध हुआ। 80 साधकों ने इस सुअवसर का भरपूर आनंद उठाया।

–स्वामी विवेक तीर्थंकर

कोची, केरल

10 से 14 मई तक सायलेंस ओशो मेडीटेशन सेंटर कोची, केरल की ओर से होस्साना माउंट, पाला केरल में निसर्ग के सान्निध्य में ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। संचालन स्वामी अंतर खिरद, ओशो निसर्गा हिमाचल प्रदेश ने किया। ओशो की मूलभूत विधियों सक्रिय ध्यान, कुंडलिनी ध्यान, नादब्रह्म ध्यान इत्यादि के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह योग का अभ्यास कराया गया। नृत्य, कीर्तन, ध्यान तथा मिस्टिक रोज़ के प्रयोग किये गये। शिविर संचालन अंग्रेजी भाषा में हुआ, अगस्तेय आश्रम के योगाचार्य स्वामी राधा कृष्णनजी ने मल्याली भाषा में अनुवाद किया। शिविर में 60 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर में 12 नए मित्रों ने संन्यास दीक्षा ग्रहण की।

–स्वामी जीवन विस्मय

श्री गंगानगर, राजस्थान

ओशो फ्रैण्डस सर्किल, राजस्थान के तत्वाधान में एक दिवसीय 'ओशो सतनाम ध्यान शिविर' का आयोजन पंचायती धर्मशाला, श्रीगंगानगर (राजस्थान) में दिनांक 13 मई को किया गया। शिविर का संचालन स्वामी गोपाल भारती द्वारा किया गया। इसमें 70 शिविरार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 3 मित्रों ने दीक्षा ग्रहण की।

स्वामी अलख निरंजन ने बांसुरीवादन से सभी को मंत्रमुग्ध किया। स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सारस्वत ने गीत गजल गा कर आनंदमय वातावरण बनाने में अहम भूमिका निभाई। आकाशवाणी के उद्‌घोषक राजेश चढ्ढा ने भी ओशो की मौलिक क्रांति की चर्चा की। मा ध्यान नीरजा ने इस क्रांति के लिए ओशो ध्यान केन्द्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

–स्वामी आत्मोनिस्सीम

जयपुर, राजस्थान

ओशो ट्रस्ट चतरपुरा जयपुर के तत्वाधान में ओमशान्ति ओशो लाइब्रेरी ने राजस्थान पत्रिका द्वारा आयोजित कैरियर फेयर में पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई। यह प्रदर्शनी 19 मई से 27 मई तक कैरियर फेयर के समापन तक जारी रही।

प्रदर्शनी में आने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने ओशो साहित्य में अत्यधिक रुचि दिखाई।

फेयर समापन के दिन 27 मई को पूरे पाण्डाल के लोगों ने ओशो प्रेमियों के साथ कुंडलिनी ध्यान किया एवं ओशो की वाणी सुनी। ओशो वर्ल्ड के जून अंक का विमोचन ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के चेयरमैन श्री सुनील शर्मा से करवाया गया।

छिंदवाड़ा, म0 प्र0

'ओशो अर्हत ध्यान केन्द्र' छिंदवाड़ा में स्वामी आनंद वैराग्य की स्मृति में 19 मई से 9 जून तक 21 दिवसीय ध्यान सत्र का आयोजन संपन्न हुआ, संचालन स्वामी ज्ञान अनुग्रह ने किया। इस सत्र में लगभग 30 मित्र सहभागी हुए। सत्र की शुरूआत प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से सक्रिय ध्यान के साथ होकर क्रमशः कीर्तन ध्यान, नटराज ध्यान, कुंडलिनी एवं शाम संध्या सत्संग के साथ अपनी पूर्णता पर होती रही है।

–स्वामी ध्यान आलोक